मात्रिक छंदों का विकास

(मघ्यकालीन हिन्दी-काच्य में प्रयुक्त मात्रिक छंदों का विश्लेषणात्मक तथा ऐतिहासिक अध्ययन)

> डॉ० शिवनन्दन प्रसाद साहित्यरत्न, एम्० ए०, डॉ० छिट्०



बिहार-राष्ट्रभाषा-परिषद् पटना